मद्रित पष्ठों की संख्या : 4

BHDC-104

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

बी.एच.डी.सी.-104 : आधनिक हिन्दी कविता

(छायावाद तक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कल* **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* **पहला** *प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) सिद्धि हेत स्वामी गए. यह गौरव की बात.
पर चोरी-चोरी गए. यही बडा व्याघात.
सखि. वे मझसे कह कर जाते.
कह. तो क्या मझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते ?

मझको बहत उन्होंने माना.
फिर भी क्या परा पहचाना ?
मैंने मख्य उसी को जाना.
जो वे मन में लाते।

(ख) मैं ढँढता तझे था जब कंज और वन में.
त खोजता मझे था तब दीन के वतन में.
त आह बन किसी की मझको पकारता था.
मैं था तझे बलाता संगीत में. भजन में।

(ग) हँसता है तो केवल तारा एक
गंथा हआ उन घंघराले काले बालों से.
हृदय-राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।
अलसता की-सी लता
किन्त कोमलता की वह कली.
सखी नीरवता के कन्धे पर डाले बाँह.
छाँह-सी अम्बर-पथ से चली।

(घ) स्तब्ध ज्योत्स्ना में जब संसार
चकित रहता शिश-सा नादान.
विश्व के पलकों पर सकमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान.
न जाने. नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मझको मौन।

(ङ) झंझा है दिग्भ्रांत रात की मर्छा गहरी.
आज पजारी बने. ज्योति का यह लघ प्रहरी.
जब तक लौटे दिन की हलचल.
तब तक यह जागेगा प्रतिपल.
रेखाओं में भर आभा जल
दत साँझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!

2. भारतेन्द के काव्य की नवीन प्रवत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

3. द्विवेदीयगीन काव्य के शिल्प पक्ष को रेखांकित कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गप्त के काव्य में निहित राष्ट्रीय भावना और समाज सधार के स्वर की विवेचना कीजिए। 16

5. रामनरेश त्रिपाठी के रचना-संसार का परिचय दीजिए। 16

6. छायावाद की अन्तर्वस्त पर प्रकाश डालिए। 16

7. जयशंकर प्रसाद के काव्य में इतिहास और संस्कति के साथ राष्ट्रीय चेतना किस रूप में व्यक्त हई है ? स्पष्ट कीजिए। 16

8. एक कवि के रूप में समित्रानंदन पंत का मल्यांकन कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8×2=16

(क) निराला काव्य में सामाजिक-सांस्कतिक नवजागरण

(ख) महादेवी वर्मा की मल्यचेतना

(ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(घ) श्री राधाचरण गोस्वामी